2023

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
पशु पालन एवं मुर्गी पालन	4 3 0	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

B-23 3071388

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

2	3	6	7	2	7	7	4	1

शब्दों में

दो	तीन	छः	सात	दो	सात	सात	चार	एक

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे →

प्रश्न पत्र का सेट D

क :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक हॉल

ख :– परीक्षा का दिनांक 06 03 2023

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेण्डरी परीक्षा केन्द्र क्र. 671027

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
6/03/2023	केन्द्राध्यक्ष

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे →

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा | परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

...IPAL
...OVT. HIGH SCHOOL
SILPURA (MANDLA)

741816

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे →

केवल परीक्षक द्वारा भरा ...

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों ...

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्त...
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

Laser, Inkjet & Copier Label ST-16 A4 99.1mm x 33.9mm x 16 Oddy

2

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 2 के अंक कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 01

3071388

(i) (स) मेरिनो

(ii) (अ) 0.5%

(iii) (अ) इज्जतनगर

(iv) (ब) विषाणु

(v) (स) 95%

(vi) (द) उत्तर प्रदेश

—॥—

PRINCIPAL
GOVT.HIGH SCHOOL
SILPURA (MANDLA)

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक -02

(i) हिमीकृत

(ii) 1 से 6 दिन या (2 से 5 दिन)

(iii) पाकिस्तान का मुल्तान

(iv) कश्मीरी बकरी

(v) विषाणु (रवीपॉक्स विषाणु)

(vi) सल्मोनेला पुलोरम

—॥—

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 03

(i) टोगेन बर्ग - विदेशी बकरी

(ii) शहरी बकरी - बरबरी

(iii) पूगल - देशी भेड़

(iv) पिंजरा प्रणाली - मुर्गी पालन

(v) विटामिन "ए" - रूप रोग

BSE

BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 04

(i) उत्तर ⇒ अमूल का पूरा नाम "आनन्द मिल्क यूनियन लिमिटेड" है।

(ii) उत्तर ⇒ NODB का पूरा नाम "राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड है।

NODB → (National Dairy Development Board)

(iii) उत्तर → "फुहार शुष्कन विधि" दुग्ध चूर्ण बनाने की एक विधि है।

(iv) उत्तर → पशु प्लेग मॉर्बिली वायरस नामक विषाणु से होता है।

(v) उत्तर → स्ट्रीप कप परीक्षण "थनैला रोग" मे किया जाता है।

— ॥ —

EDUCATION MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 05

(i) सत्य

(ii) सत्य

(iii) सत्य

(iv) असत्य

(v) सत्य

(vi) असत्य

BSE

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 06 का उत्तर

उत्तर → शूकर के रोगो के नाम निम्नलितित है।

विषाणु जनित → 1. शूकर ज्वर (हॉग कॉलेरा)

जीवाणु जनित → 2. ब्रूसेलोसिस रोग

—— ॥ ——

प्रश्न क्रमांक - 07 का उत्तर

उत्तर → " पशु को दिया जाने वाला वह आहार (राशन) जिससे पशु की समस्त आवश्यकताओं की पूर्ती हो तथा जिसर जिसमे पशु को स्वस्थ्य बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक पोषक तत्व उचित मात्रक मात्रा वा ठीक अनुपात मे उपस्थित हो, सन्तुलित राशन कहलाता है। "

—— ॥ ——

EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक -08 का उत्तर

उत्तर → पशु आहार के अवयवो के नाम निम्नलिखित है।

1. कार्बोहाइड्रेट
2. खनिज लवण
3. प्रोटीन ~~आदि~~।
4. विटामिन आदि।

BSE

प्रश्न क्रमांक -09 का उत्तर

उत्तर → साइलेज के दो लाभ निम्नलिखित है।

1. साइलेज चारा संरक्षित करने का उत्तम तरीका है। साइलेज बनाकर पशुओ को वर्ष भर हरा व पौष्टिक चारा उपलब्ध कराया जा सकता है।
2. साइलेज बनाकर चारे वाली फसलो के पोषक तत्वो को नष्ट होने से बचाया जा सकता है।

Oday

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक → 10 का उत्तर

उत्तर → अच्छी साइलेज मे निम्नलिखित यो गुण होना आवश्यक है।

1. साइलेज का पी. एम एच. मान 3.5 से 4.2 के मध्य होना चाहिए।

2. साइलेज मे एसि एसीटिक अम्ल की मात्रा अधिक व ब्यूटाइरिक अम्ल की मात्रा कम या अनुपस्थित होना चाहिए।

3. साइलेज मे फफूँद, दुर्गन्ध व चिपचिपा पन नही होना चाहिए।

———॥———

EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 11 का उत्तर

उत्तर → ~~कैथेर~~ कैथेटर एवं स्पैचुला के एक-एक उपयोग निम्नवत् है।

कैथेटर → यह धातु की बनी एक पतली नली होती है। जिसका उपयोग पशुओ की पेशाब रुक जाने पर पेशाब निकालने मे किया जाता है।

[illegible]ैचुला → यह एक चौड़ा चाकू होता है। जिसका उपयोग मरहम पट्टिका पर दवाओ (मरहम) को मलने मे किया जाता है।

—॥—

BSE

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 12 का उत्तर

उत्तर → पशु शरीर मे दवा निम्नलिखित दो विधि द्वारा प्रविष्ट कराई जाती है।

1. अन्त: पेशीय सुई (I/M) → शरीर के माँसल भागो मे लगाई जाती है।
2. अंत: शिरा सुई (I/V)
   ↳ पशु की गर्दन मे जुगलशिरा मे लगाई जाती है।

BSE

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 13 का उत्तर

उत्तर → मछली पालन व्यवसाय मे आने वाली प्रमुख दो समस्याएँ निम्नलिखित है।

1. फसल के पश्चात प्रबंधन जैसे - प्रशीतन, समुचित भण्डारण एवं त्वरित परिवहन का अभाव।

2. डीप बॉटर फ्रिशिंग विधि का अभाव होना।

3. कुशल श्रमिकों की कमी।

—॥—

B S F

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 14 का उत्तर

उत्तर → संघनित दूध के निम्नलिखित प्रमुख तीन उपयोग किए जाते है।

1. फीके संघनित दूध मे जल मिलाकर इसे पुन ताजे एवं शुद्ध द्रव दूध के रूप मे उपयोग किया जा सकता है।
संघनित दूध का उपयोग शिशु आहार के रूप मे किया जाता है।
3. मीठे संघनित दूध को चाय एवं काफी बनाने मे उपयोग मे लिया जाता है।
4. संघनित दूध का उपयोग बेकरी उद्योग मे मिठाईयाँ बनाने मे किया जाता है।

—————॥—————

MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक -15 का उत्तर

उत्तर → मखाना की उपयोगिता के निम्नलिखित तीन बिन्दु प्रमुख है।

1. मखाना का उपयोग खीर वा आइसक्रीम के निर्माण मे किया जाता है।
2. मखाना का उपयोग सॉस वा चटनियो के निर्माण भी किया जाता है।
3. मखाना क्रीम रोल वा पेस्ट्री के निर्माण मे भी मखाना का उपयोग होता है।
4. उबले रोली मे नास्ते के साथ वा रोटी पर लगाकर खाने मे उपयोग होता है।

BSE

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 16 का उत्तर

उत्तर → अच्छी जामन की निम्न-लिखित तीन विशेषताएँ प्रमुख है।

1. जामन मे सुवास वा सुरभि उत्पन्न करने वाले जीवाणु स्ट्रेप्टोकोकस ~~थर्मोफिलस~~ ~~व~~ थर्मोफिलस वा ~~लैक्टोबैलि~~ लैक्टोबैसिलस बल्गेरिस का 3 : 1 का मिश्रण संवर्द्धन उपस्थित होना चाहिए।

2. जामन मे दुर्गन्ध उत्पन्न करने वाले ई. कोलाई, यीस्ट वा ~~फफूंद~~ फफूद अनुपस्थित होना चाहिए।

3. जामन का पी. एच. मान 5.1 से 5.3 के मध्य वा अम्लीयता 0.8 से 0.9 के मध्य होना चाहिए।

—॥—

B S E

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 17 का उत्तर

उत्तर → आइसक्रीम वा कुल्फी मे निम्नलिखित तीन अन्तर होते है |

(1.) आइसक्रीम का संघटन निश्चित ~~जबकि~~ ~~का~~ ~~कु~~ होता है, जबकि कुल्फी का संघटन अनिश्चित होता है |

(2.) आइसक्रीम मे हवा मिलकर उसका ओवर - रन बढाया जाता है, जबकि ~~क~~ कुल्फी का ओवर ~~ब~~ रन नही बढाया जा सकता |

(3.) कुल्फी को बनाने (आकार देने) मे शंकुओ (कुलिया) का उपयोग किया जाता है, जबकि आइसक्रीम बनाने मे शंकुओ की आवश्यकता नही ~~पड़~~ पड़ती है |

4. कुल्फी मे फलों का आटा मिलाया जाता है, जबकि आइसक्रीम मे फलों का आटा नही मिलाया जाता |

—॥—

B S E

प्रश्न क्र.

B S E

प्रश्न क्रमांक - 18 का उत्तर

उत्तर → पशु जाँच के निम्न-लिखित चार उद्देश्य प्रमुख है।

1. मादा पशु की दुग्ध उत्पादन क्षमता का आकलन → पशु जाँच द्वारा पशु की दुग्ध उत्पादन क्षमता का पूर्वानुमान लगाया जा सकता है यदि पशु का अयन सुविकसित, मुलायम, फैला हुआ वा गांठ रहित है तो पशु आवश्यक रूप से अधिक उत्पादक होगा।

2. स्वास्थ्य का आकलन ⇒ पशु के शारीरिक अंगो की वा लक्षणो की जाँच कर, पशु के स्वास्थ्य का विश्लेषण किया जा सकता है।

3. पशु की आयु का आकलन → पशु की सामान्य दशा, खुरो को देखकर, सींगो पर छल्लो की संख्या देखकर वा पशुओ के दाँतो की स्थिति वा गणना करके पशु की

प्रश्न क्र.

आयु का ~~आकलन~~ आकलन किया जा सकता है।

5. पशु का आहार का निर्धारण →
पशु का आहार शरीर भार के अनुसार निर्धारित किया जाता है। पशु जाँच द्वारा पशु की लम्बाई वा परिधि की माप ज्ञात कर, पशु का भार ज्ञात किया जा सकता है।

B
S
E

—॥—

BSE

प्रश्न क्रमांक - 19 का उत्तर

उत्तर → रानी खेत बीमारी का रोगजनक वा लक्षण निम्नलिखित है।

रोगजनक → रानी खेत बीमारी पेरामिक्सो वायरस द्वारा उत्पन्न होती है। इसका रोगजनक पेरामिक्सो विषाणु (वायरस) है।

लक्षण → (1.) श्वासन तन्त्र → मुर्गियो को श्वास लेने मे परेशानी होती है, जिससे मुर्गियाँ आधे खुले मुँह से श्वास लेती है वा गुड़-गुड़ की आवाज आती है।

(2.) पाचन तन्त्र → मुर्गियो को पानी के समान हरे वा पीले तेज बदबूदार दस्त लगते है। जिसमे चूने के समान दुर्गन्ध आती है।

(3) तंत्रिका तन्त्र → मुर्गियो की कलंगी नीली पड़ जाती है, मुर्गियाँ

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL,BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

चक्कर काटने लगती है व मुर्गियो को अन्त मे लकवा हो जाता है।

(4.) मुर्गियो के मुँह वा नाक से लसलसा पदार्थ गिरने लगता है। उग्र अवस्था मे मुर्गियो की मृत्यु, लक्षण दिखाने के 3 से 4 दिन बाद होती है जबकि अति उग्र अवस्था मे बिना लक्षण प्रगट किए ही मृत्यु हो जाती है।

—॥—

B S E

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 21 के अंक कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक -20 का उत्तर :-

उत्तर → इन्क्यूबेटर प्रयोग के निम्नलिखित पाँच प्रमुख लाभ है।

(1.) इन्क्यूबेटर ने मुर्गी पालन को बड़े स्तर पर सम्भव कर दिया है। इन्क्यूबेटर मे अण्डे सेने की सभी आदर्श परिस्थितियाँ उपलब्ध कराई जा सकती है।

(2.) इन्क्यूबेटर मे अण्डे सेने का कार्य 18 दिन मे पूर्ण हो जाता है, जबकि प्राकृतिक विधि मे 21 दिन का समय लगते है।

(3.) इन्क्यूबेटर ने कुड़क मुर्गियो पर निर्भरता समाप्त कर दी है, ~~मुर्गि~~ मुर्गी फार्म पर उपस्थित सभी मुर्गियो से अण्डा उत्पादन का ~~कार्य~~ कार्य कराया जा सकता है।

EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

5. इन्क्यूबेटर से स्वस्थ्य चूजे प्राप्त होते है, अर्थात इन्क्यूबेटर मे रोग एंव बीमारी के सक्रमण की सम्भावना बहुत कम होती है।

6. इन्क्यूबेटर द्वारा अण्डे सेने का कार्य वर्ष भर किया जा सकता है। इन्क्यूबेटर ने मौसम या ऋतु पर से निर्भरता समाप्त कर दी है। अब अण्डे सेने का कार्य किसी भी ऋतु मे किसी भी माह समय किया जा सकता है।

LSE